Shri J. K. Bhonsle: As far as the Ministry is concerned, we have finalised the rules and they are now before the Advisory Committee appointed by the Government.

हिन्दी में प्रसारण (ब्राडकास्ट)

*६९२. **सेठ गोविन्द दास :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री उन रेडियो स्टेशनों के नाम बताने की कृपा करेंगे जहां से हिन्दी में कोई प्रोग्राम प्रसारित नहीं किए जाते हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केसकर): हिंदी के प्रोग्राम सभी स्टेशनों से प्रसारित होते हैं। इन प्रोग्रामों को ठीक ढंग से केवल श्रीनगर स्टेशन से चालू करने का प्रश्न सोचा जा रहा है।

सेठ गोविन्द दास : जहां तक श्रीनगर का संबंध है यह प्रयत्न वहां पर कितने दिन से चल रहा है और इसका निर्णय कितने दिनों में हो जाने की आशा है?

डा० केसकर: जल्दी ही हो जाएगा। चूंकि श्रीनगर स्टेशन हमारे हाथ में अभी हाल में ही आया है, इसलिए इसमें कुछ देर लग गई।

सेठ गोविन्द दास : अभी माननीय मंत्री जी ने कहा कि सभी स्टेशनों से हिन्दी के कार्यक्रम प्रसारित होते हैं, तो कितना कितना समय हिंदी के कार्यक्रमों के लिए कहां कहां पर है?

डा० केसकर: इसका ब्योरा देने के लिए तो नोटिस चाहिए, लेकिन मैं माननीय सदस्य को इतना बता सकता हूं कि हर स्टेशन पर, वहां हिन्दी का कितना प्रचार है और लोगों का वहां हिन्दी से कितना ताल्लुक है, यह सब देख कर हिन्दी के लिए समय दिया जाता है।

सरदार अजरपुरी: क्या मैं जान सकता हूं कि रेडियो पर जो इतनी कठिन हिंदी बोली जाती है उसको आसान करने का कोई तरीका अख्त्यार किया जा रहा है जिससे आम लोग उसको समझ सकें?

डा० केसकर: जो एक के लिए कठिन है वही दूसरे के लिए आसान है।

श्री वी० डी० शास्त्री: क्या मैं जान सकता हूं कि विदेशों से किन किन रेडियो स्टेशन्स पर से हिन्दी में कार्यक्रम आते हैं?

डा० केसकर: यह कहना तो मुश्किल है, लेकिन कई विदेशी रेडियो स्टेशन्स से हिन्दी में कार्यक्रम प्रसारित होते हैं।

सेठ गोविन्द दास : जिन जिन विदेशी स्टेशनों से हिन्दी में कार्यक्रम आते हैं उनके सम्बन्ध में क्या कोई लिखा पढ़ी केन्द्रीय सरकार से हुई है, और जहां से नहीं आते हैं क्या उन से इस सम्बन्ध में कोई लिखा पढ़ी चल रही है?

डा० केसकर: विदेशी रेडियो स्टेशनों की कोई मजबूरी नहीं है कि वे हिन्दी में कार्यक्रम प्रसारित करें। लेकिन बहुत से स्टेशन ऐसे हैं जो कि समझते हैं उनको ऐसे कार्यक्रम चलाने चाहिएं। और वह उन को चलाते हैं। उन में वे कुछ ऐसे हैं जैसे यूनाइटेड नेशन्स, ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन या कुछ अमरीका के रेडियो आर्गेनाइजेशन्स। वह इस मामले में हम से सलाह लेते हैं कि योग्य आदमी उनको दिए जाएं, लेकिन बहुत से हमारे ऐसे पड़ोसी रेडियो संगठन हैं जो हम से कोई सलाह नहीं लेते हैं और अपनी तरफ से रेडियो पर हिन्दी चलाते हैं।

श्री आल्तेकर: मैं जानना चाहता हूं कि कितने स्टेशनों से हिन्दी में शिक्षा दी जाती है?

डा० केसकर: मेरे पास सब स्टेशनों के ब्योरे नहीं हैं, लेकिन जिन जिन प्रान्तों की मातृभाषा हिन्दी नहीं है, वहां सभी जगह हिन्दी की शिक्षा दी जाती है।

Compensation to Displaced Persons

*614. **Shri M. L. Agrawal:** Will the Minister of **Rehabilitation** be pleased to state:

(a) the total amount of compensation in cash and kind paid to displaced persons so far; and

(b) the names of the States where the compensation has been paid and the extent to which it has been paid?